ने क्या कार्यवाही की है कि दुर्घटनायें न हों ?

रेलवे मंत्री (श्री सी० सु० पुनाचा) : (क) 1-1-1967 से 31-12-67 की अवधि में मध्य और पश्चिम रेलों पर टक्कर, पटरी से उतरने, समपार पर गाड़ियों के सड़क यातायात से टकराने और गाड़ियों में आग लग जाने की कोटि में क्रमशः 106 और 123 गाड़ी दुर्घटनाएं हुईं।

(ख) इनमें से किसी भी मामले में पर्यवेक्षण का न होना दुर्घटना का कारण नहीं ठहराया गया।

(ग) आधुनिक किस्म के सिगनलों आदि का उपयोग करने के अतिरिक्त दुर्घटनाओं को रोकने के लिए निरन्तर प्रयास किये जा रहे हैं।

Deficit Suffered by Railways

*1012. DR. KARNI SINGH: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Railways suffered a net deficit of Rs. 27 crores during 1966-67;

(b) whether the capacity for carriage of goods was planned far in excess of the demand; and

(c) how much of this loss is due to the competition from road transport operators and how much is due to the general industrial recession?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C. M. POONACHA): (a) The net deficit of the Railways during the year 1966-67 was Rs. 18.27 crores.

(b) The capacity planned was for the estimated requirements of Railway transport in accordance with the economic growth anticipated. Traffic did not, however, materialise to the full extent as anticipated on account of two successive years of drought and their impact on the country's economy. There was some surplus transport capacity in certain sections, mainly those serving the Iron and Steel and Coal Sectors.

(c) No precise figures are available about the effect on Railway earnings of road competition or the slowing down of the industrial sector.

त्रिपोली मेले में भारत द्वारा भाग लिया जाना

*1013. **श्री ओंकार लाल बेरवा** : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत ने त्रिपोली मेले में भाग लिया था जो 28 फरवरी, 1968 को प्रारम्भ हुआ था ; और

(ख) यदि हां, तो उसके क्या परिणाम निकले ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री मुहम्मद शफी कुरैशी) : (क) जी, हां। इस वर्ष 28 फरवरी से 20 मार्च तक हुए सातवें त्रिपोली अन्तर्राष्ट्रीय मेले में भाग लेने का आयोजन तथा समन्वय व्यापारिक मेलों तथा प्रदर्शनियों की भारतीय परिषद्, बम्बई द्वारा किया गया।

(ख) भाग लेने के फलस्वरूप वहीं पर 10 लाख रुपये के आर्डर बुक किये गये। हमारे निर्यात योग्य उत्पादों के सम्बन्ध में आरम्भ की गई पूछताछों पर सम्बद्ध पक्षों द्वारा बातचीत करने तथा और सौदे करने के प्रयत्न जारी हैं। हमारे भाग लेने से जो कुल परिणाम प्राप्त होंगे उनका इतनी जल्दी आकलन नहीं किया जा सकता।

Prices of Cloth

*1014. SHRI DEORAO PATIL: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that only